



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 380]

No. 380]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 17, 2007/श्रावण 26, 1929
NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 17, 2007/SRAVANA 26, 1929

पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

(पोत परिवहन विभाग)

(पत्तन स्कंध)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 2007

सा.का.नि. 555(अ).—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 के अधिनियम सं. 38) की धारा 3 की उपधारा (6) और उपधारा 10 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकार प्रयुक्त करके, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, पोत परिवहन विभाग, पत्तन स्कंध की तृतीकोरिन पत्तन न्यास से संबंधित दिनांक 13-7-2007 की राजपत्र अधिसूचना सं. सा.का.नि. 483(अ) में एतद्वारा, निम्नलिखित संशोधन करती है।

2. उपर्युक्त अधिसूचना में, क्रम सं. 13 में उल्लिखित शब्दों, “निदेशक (अंतर्राष्ट्रीय जल परिवहन)” पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, पोत परिवहन विभाग को “निदेशक (भारतीय नौवहन निगम एवं पोत समन्वय)” शब्दों से प्रतिस्थापित कर दिया जाए।

[फा. सं. पी टी-18011/1/2007-पी टी]
राकेश श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SHIPPING , ROAD TRANSPORT
AND HIGHWAYS

(Department of Shipping)

(PORTS WING)

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th August, 2007

G.S.R. 555(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) read with Sub-section (6) of Section 3 and Sub-section (2) of Section 10 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby makes an amendment in the Gazette Notification of the Government of India in the Ministry of Shipping, Road Transport and Highways, Department of Shipping, Ports Wing, No. G.S.R. 483 (E) dated 13-7-2007 concerning Tuticorin Port Trust.

2. In the said notification against serial number 13 for the words “Director (IWT)” Department of Shipping, Ministry of Shipping, Road Transport and Highway, the words “Director (SCI & Ship Coord.)” shall be substituted.

[F. No. PT-18011/1/2007-PT]

RAKESH SRIVASTAVA, Jt. Secy.